प्रभु यीशु मसीह इस धरती पर बहुत जल्दी आने वाला है। यह बात स्वंय यीशु मसीह ने २००० बर्ष पूर्व जब वे इस धरती पर थे, तब कही थी। (युहन्ना१४:१-३)। अभी आप यह सोंच रहे होंगे कि प्रभु यीशु मसीह सचमुच इस जगत मे आने वाले है, यह मैं कैसे मान लू? प्रभु यीशु के इस धरती पर पुनः वापस आने पर क्या क्या घटनाए होगी, उस बिषय पर जो भविष्यवाणियाँ की गई है उन्हे आप ध्यानपूर्वक पडे। धर्मशास्त्र की यह भविष्यवाणियाँ को पढ़कर वर्तमान के इस समय में सम्पूर्ण संसार में होने वाली घटनाओं के बारे में प्रमाण देखा जा सकता है कि, प्रभु यीशु मसीह हमारे इसी जीवन मे ही सचमुच आने वाले है।

1 मंदिर के विनाश

जब यीशु मन्दिर से निकलकर जा रहा था, तो उसके चेलों में से एक ने उसको मन्दिर की रचना दिखाने के लिये उसके पास आकर उसे कहा, '' है गुरू, कैसे विशाल पत्थर और कैसे भव्य भवन हैं!'' यीशु ने उससे कहा,'' वे दिन आएँगे, क्या तुम ये बड़े-बड़े भवन देखते हो: यहाँ पत्थर पर पत्थर भी बचा न रहेगा जो ढाया न जाएगा।'' (मत्ती २४:१-२; मरकुस १३:१-२; लूका २१:५-६)।

यह वचन ७० सदी में सचमुच पूरा हुआ।

2 आने के संकेत

जब वह जैतून के पहाड़ पर मन्दिर के सामने बैठा था,तो पतरस याकुब और युहन्ना और अन्द्रियास ने अलग जाकर उससे पुछा,'' हे गुरू, हकें बता कि ये बातें कब होंगी? और तेरे आने का आर जगत के अन्त का क्या चिह्न होगा?'' (मत्ती २४:३; मरकुस १३:३-४; लूका २१:७)।

3 धोखेबाज उठंगे

यीशु उनसे कहने लगा,''सावधान रहो! कोई तुम्हें न भरमाने पाए, क्योंकि बहुत से ऐसे होंगे जो मेरे नाम से आकर कहेंगे, 'मैं मसीह हूँ'और यह भी कि, समय निकट आ पहुँचा है। और बहुतों को भरमाएँगे। तुम उनके पीछे न चले जाना। (मत्ती २४:४-५; मरकुस १३:५-६; लूका २१:८)।

4 युद्ध और युद्ध की अफवाहें

जब तुम लड़ाइयों और बलवों की चर्चा सुनो तो घबरा न जाना, क्योंकि इनका पहले होना अवश्य है; परन्तु उस समय तुरन्त अन्त न होगा। (मत्ती २४:६; मरकुस १३:७; लूका २१:९)।

5 जातीय युद्ध | भूकंप | अकाल | रोग

तब उसने उनसे कहा, जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा, हर कहीं भुकम्प होंगे, और जगह-जगह अकाल और महामारियाँ पड़ेगी, और आकाश से भयंकर बातें और बड़े-बड़े चिह्न प्रगट होंगे। (मत्ती २४:७; मरकुस १३:८; लूका २१:१०-११)।

6 ये सब बातें पीड़ाओं का आरम्भ होंगी। (मत्ती २४:८;मरकुस १३:८)

7 ईसाइयों के लिए उत्पीड़न

परन्तु तुम अपने विषय में चौकस रहो;परन्तु इन सब बातों से पहले वे मेरे नाम के कारण तुम्हें पकडेंगे, और सताएँगे, और पंचायतों में सौंपेंगे,और बन्दीगृह में डलवाएँगे, और राजाओं और हाकिमों के सामने ले जाएँगे। पर यह तुम्हारे लिये गवाही देने का अवसर हो जाएगा। (मत्ती २४:९; मरकुस १३:९; लूका २१:१२-१३)।

8 जब वे तुम्हें ले जाकर सौंपेंगे, तो पहले से चिन्ता न करना कि हम क्या कहेंगे; पर जो कुछ तुम्हें उसी घड़ी बताया जाए वही कहना; क्योंकि बोलनेवाले तुम नहीं हो, परन्तु पवित्र आत्मा है। क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूँगा कि तुम्हारे सब विरोधी सामना याखण्डन न कर सकेंगे। (मरकुस १३:११; लूका २१:१४-१५)।

9 परिवारों में विश्वासघात

तब बहुत से ठोकर खाएँगे, भाई को भाई, और पिता को पुत्र घात के लिए सौंपेंगे, बच्चे माता-पिता के विरोध में उठकर उन्हें मरवा डालेंगे। और मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे; परन्तु तुम्हारे सिर का एक बाल भी बाँकी न होगा। अपने धीरज से तुम अपने प्राणों को बचाए रखोगे। (मत्ती २४:९-१०; मरकुस १३:१२-१३; लूका २१:१६-१९)।

10 प्यार ठंडा पड़ जाएगा

अधर्म के बढ़ने से बहुतों का प्रेम ठण्डा पड़ जाएगा, परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। (मत्ती २४:१२-१३)।

11 और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा। (मत्ती २४:१४; मरकुस १३:१०)।

12 वीरानी की यरूशलेम में घृणा

जब तुम यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखो, तो जान लेना कि उसका उजड़ जाना निकट है। (लूका २१:२०)।''इसलिये जब तुम उस *उजाड़नेवाली घृणित वस्तु* को जिसकी चर्चा दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्र स्थान में खड़ी हुई देखो (जो पढ़े, वह समझे), तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएँ। और जो गाँवों में हों वे उस में न जाएँ। जो छत पर हो, वह अपने धर से कुछ लेने को नीचे न उतरे और न भीतर जाए; और जो खेत में हो, वह अपना कपड़ा लेने के लिये पीछे न लौटे। (मत्ती २४:१५-१८; मरकुस १३:१४-१६; लूका १७:३१;२१:२१)। उन दिनों में जो गर्भवती और दूध पिलाती होंगी, उनके लिये हाय हाय! प्रार्थना किया करो कि तुम्हें जाड़े में या सब्त के दिन भागना न पड़े। (मत्ती २४:१९-२०; मरकुस १३:१७-१८; लूका २१:२३)। वे तलवार के कौर हो जाएँगे, और सब देशों के लोगों में बन्दी होकर पहुँचाए जाएँगे; और जब तक अन्य जातियों का समय पूरा न हो, तब तक यरूशलेम अन्य जातियों से रौंदा जाएगा। (लूका २१:२४)।

13 जैकब का मुसीबत समय (यिर्म ३०:६-७)

क्योंकि वे दिन ऐसे क्लेश के होंगे कि सृष्टि के आरम्भ से, जो परमेश्वर ने सृजी है, अब तक न तो हुए और न फिर कभी होंगे। यदि वे दिन घटाए न जाते तो कोई प्राणी न बचता, परन्तु चुने हुओं के कारण वे दिन घटाए जाएँगे। (मत्ती २४:२१-२२; मरकुस १३:१९-२०; लूका २१:२३)। क्योंकि यह बदला लेने के ऐसे दिन होंगे, जिन में लिखी हुई सब बातें पुरी हो जाएँगी। (लूका २१:२२)।

14 झूठे मसीह और भविष्यद्वक्ता

उस समय यदि कोई तुम से कहे, '*देखो, मसीह यहाँ है, या 'देखो, वहाँ है,'* तो प्रतीति न करना; क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और चिह्न और अद्भुत काम दिखाएँगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें। पर तुम चौकस रहो; देखो, मैं ने तुम्हें सब बातें वहले ही से बता दी हैं। (मत्ती २४:२३-२४; मरकुस १३:२१-२३) इसलिये यदि वे तुम से कहें,'*देखो, वह जंगल में है!* तो बाहर न निकल जाना; या '*देखो,वह कोठरियों में है!*', तो विश्वास न करना। क्योंकि जैसे बिजली पुर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा। (मत्ती २४:२६-२७; लूका १७:२३-२४)।

15 आकाश में संकेत

उन दिनों के क्लेश के तुरन्त बाद सूर्य अन्धियारा हो जाएगा, और चन्द्रमा का प्रकाश जाता रहेगा, और तारे आकाश से गिर पड़ेंगे और आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी। (मत्ती २४:२९; मरकुस १३:२४-२५; लूका २१:२५)।

सूरज, और चाँद, और तारों में चिह्न दिखाई देंगे; और पृथ्वी पर देश-देश के लोगों को संकट होगा, क्योंकि वे समुद्र के गरजने और लहरों के कोलाहल से घबरा जाएँगे। (लूका २१:२५-२६).

16 तब मनुष्य के पुत्र का चिह्न आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे। वह तुरही के बड़े शब्द के साथ अपने दूतों को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारों दिशाओं से उसके चुने हुओं को इकट्ठा करेंगे। (मत्ती २४:३०-३१; मरकुस १३:२६-२७; लूका २१:२७).

17 जब ये बातें होने लगें, तो सीधे होकर अपने सिर ऊपर उठाना; क्योंकि तुम्हारा छुटकारा निकट होगा। (लूका २१:२८).

18 उसने उनसे एक दृष्टान्त भी कहा "अंजीर के पेड़ से यह दृष्टान्त सीखो। जब उसकी डाली कोमल हो जाती और पत्ते निकलने लगते हैं, तो तुम जान लेते हो कि ग्रीष्म काल निकट है। इसी रीति से **जब तुम इन सब बातों को देखो, तब जान लो कि परमेश्वर का राज्य निकट है,** वरन द्वार ही पर है। (मत्ती २४:३२-३३; मरकुस १३:२८-२९; लूका २१:२९-३१). उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूत और न पुत्र, परन्तु केवल पिता। (मत्ती २४:३६; मरकुस १३:३२).

19 जैसे नूह के दिन थे, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा। क्योंकि जैसे जल-प्रलय से पहले के दिनों मे जिस दिन तक कि नूह जहाज पर न चढ़ा, उस दिन तक लोग खाते -पीते थे, और उनमें विवाह होते थे। और जब तक जल-प्रलय आकर उन सब को बहा न ले गया, तब तक उनको कुछ भी मालूम न पड़ा; वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा। (मत्ती २४:३७-३९; लूका १७:२६-२७).

एन्जल टि०भी० देखीए
www.angeltv.org

20 और जैसे लूत के दिनों में हुआ था कि लोग खाते-पीते, लेन-देन करते, पेड़ लगाते और घर बनाते थे; परन्तु जिस दिन लूत सदोम से निकला, उस दिन आग और गन्धक आकाश से बरसी और सब को नष्ट कर दिया। मनुष्य के पुत्र के प्रगट होने के दिन भी ऐसा ही होगा। (लूका १७:२८-३०).

21 लूत की पत्नी को स्मरण रखो। जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा, और जो कोइ उसे खोए वह उसे जीवित रखेगा। (लूका १७:३२-३३).

22 मैं तुम से कहता हूँ, *उस रात* दो मनुष्य एक खाट पर होंगे; एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दीया जाएगा। दो स्त्रियाँ एक साथ चक्की पीसती होंगी, एक ले ली जाएगी और दूसरी छोड़ दी जाएगी। दो जन खेत में होंगे, एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ा जाएगा। (मत्ती २४:४०-४१; लूका १७:३४-३६).यह सुन उन्होंने उस से पूछा, "हे प्रभु यह कहाँ होगा?" उसने उनसे कहा, "जहाँ लोथ है, वहा गिद्ध इकट्ठे होंगे। (मत्ती २४:२८; लूका १३:३४-३६).

23 सातर्क और प्रार्थनापुर्ण हो

यह उस मनुष्य की सी दशा है, जो परदेश जाते समय अपना घर छोड़ जाए, और अपने दासों को अधिकार दे, और हर एक को उसका काम बता दे, और द्वारपाल को जागते रहने की आज्ञा दे, इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि घर का स्वमी कब आएगा, साँझ को या आधी रात को, या मुर्ग के बाँग देने के समय या भोर को। ऐसा न हो कि वह अचानक आकर तुम्हें सोते पाए। (मरकुस १३:३४-३६).

24 परन्तु यह जान लो कि यदि घर का स्वामी जानता होता कि चोर किस पहर आएगा तो जागता रहता, और अपने घर में सेंध लगने न देता। इसलिये तुम भी तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी के विषय में तुम सोचते भी नहीं हो, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जाएगा। (मत्ती २४:४३-४४).

Local Contact Address

25 इसलिये सावधान रहो, ऐसा न हो कि तुम्हारे मन खुमार, और मतवालेपन, और इस जीवन की चिन्ताओं से सुस्त हो जाएँ, और *वह दिन* तुम पर फन्दे के समान अचानक आ पड़े। इसलिये जागते और प्रार्थना करते रहो; क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब आएगा। क्योंकि वह सारी पृथ्वी के सब रहनेवालों पर इसी प्रकार आ पड़ेगा। (मरकुस १३:३३; लूका २१:३४-३५).

26 इसलिये जागते रहो और हर समय प्रार्थना करते रहो कि तुम इन सब आनेवाली घटनाओं से बचने और मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े होने के योग्य बनो। (लूका २१:३६).

27 मैं तुम से सच कहता हूँ कि जब तक यह सब बातें न हो लें, तब तक *इस पीढ़ी* का कदापि अन्त न होगा। आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी। (मत्ती २४:३४-३५; मरकुस १३:३०-३१; लूका २१:३२-३३).

प्रभु यीशु मसिहा जो महान राजा महिमा के सिंहासन पर विराजमान है, वो महान शक्ति के साथ पवित्र सन्तो और स्वर्गदुतों का साथ फिर से जल्दी आ रहा है।

परमेश्वर से डरो, और उसकी महिमा करो, क्योंकि उसके न्याय करने का समय आ चुका है; और उसका भजन करो, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते बनाए। (प्रकाशित १४:७)

अब तो और देर न होगी!

मन फिराओ और इस सुसमाचार को विश्वास करो, क्यों कि स्वर्ग का राज्य निकट आया है। अपने प्रभु परमेश्वर से मिलने के लिए तैयार हो जाओ!

प्रभु के राज्य का सुसमाचार

हिन्दी | HINDI